सीखने की राह खोलें...

बढ़ें, चलें...

हिंदी

7

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, केरल
2022

भूमिका

कोविड-19 महामारी के कारण स्कूलों के बंद होने से बच्चे असमान रूप से प्रभावित हुए क्योंकि महामारी के दौरान सभी बच्चों के पास सीखने के लिए ज़रूरी अवसर, साधन या पहुँच नहीं थी। शुरुआती चुनौतियों के बाद नवीनतम तकनीकियों का सहारा लेकर शिक्षा ज़ारी रखने का प्रयास शिक्षा विभाग की ओर से हुआ था। महामारी के दौरान ऑनलाइन शिक्षा पर अत्यधिक निर्भर होने में हम विवश भी थे। इसी वजह से छात्रों की शिक्षा में अस्थाई तौर पर व्यवधान उत्पन्न हुआ था। यह छात्रों की अधिगम उपलब्धियों में अंतराल उत्पन्न होने का कारण बन गया है।

हम निश्चित रूप से यह मानते आ रहे हैं कि शिक्षकों और छात्रों के बीच आमने-सामने की बातचीत के साथ-साथ कक्षा-कक्ष के भीतर और बाहर छात्रों के बीच आपस में स्वस्थ चर्चा अच्छी पढ़ाई का अभिन्न हिस्सा है। शिक्षण प्रक्रिया में ऑनलाइन शिक्षा मदद तो कर सकती है लेकिन कक्षाई प्रक्रियाओं की जगह नहीं ले सकती। सामाजिक और भावनात्मक पढ़ाई, जैसे- संवेदना, आदर, सहयोग और बातचीत, विवेचनात्मक और रचनात्मक सोच, बहुमुखी दृष्टिकोण आदि आमने-सामने की असली कक्षाई प्रक्रियाओं से ही संभव हैं। मात्रेतर भाषा हिंदी की शिक्षण-अधिगम प्रक्रियाओं में भी यह शत-प्रतिशत सही है। इस प्रकार की कक्षाई प्रक्रियाओं से वंचित रहने से बच्चों की भाषाई दक्षताओं एवं उसके प्रयोगों में अंतराल नज़र आ रहा है। विशेषकर बातचीत, डायरी लेखन, कविताओं का आशय लेखन, पत्र तैयार करना, लेख तैयार करना आदि में यह अंतराल अधिक मात्रा में मौजूद है। सीखने के इस अंतराल की भरपाई समय की माँग है।

ऐसे में अपने छात्रों को सामाजिक, भावनात्मक समर्थन प्रदान करने और भाषाई दक्षताओं में पीछे छूट जाने की जोखिम झेल रहे छात्रों को विशेष सहायता उपलब्ध कराने जैसी जवाबी कार्रवाई का पहल शिक्षा विभाग ले रहा है। कोविड महामारी से उत्पन्न सीखने के अंतराल से छात्रों को उबारने में, भाषाई दक्षताओं में हुए व्यवधान की भरपाई करने में शिक्षकों की भी अहम भूमिका है।

भरपाई की इस सामग्री में कक्षाई प्रक्रियाओं के कुछ नमूने मात्र हैं। उम्मीद है, अपनी कक्षा की माँग के अनुसार विविधतापूर्ण सामग्रियाँ शिक्षक स्वयं तैयार करेंगे और अधिगम उपलब्धियों की प्राप्ति में व्यवधान महसूस करनेवाले छात्रों की ज़रूरतों की पूर्ति करने में जागरूक रहेंगे। आशा है, यह सामग्री इस प्रक्रिया में शिक्षकों की मददगार रहेगी।

निदेशक

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं
प्रशिक्षण परिषद्, केरल

एक दौड़ ऐसी भी

अधिगम उपलब्धि : डायरी तैयार करता है।

सामग्री

डायरी के विभिन्न नमूने - पी.पी.टी. स्लाईड, पैरालंपिक खेल का एक चित्र, नुस्खे

प्रक्रियाएँ

अध्यापक पूछें,
- क्या आपको खेल पसंद है?
- आपको कौन-सा खेल ज्यादा पसंद है?
- क्या आपने कभी ओलिंपिक्स खेल देखा है?
- इनमें किस तरह के खेल होते हैं?

(छात्रों की स्वतंत्र प्रतिक्रिया)

अध्यापक कहें, - अब हम एक चित्र देखेंगे।

(अध्यापक पैरालंपिक खेल का एक चित्र दिखाता है।)

अध्यापक पूछें,
- इस चित्र में किस प्रकार के लोग भाग ले रहे हैं?
- इस प्रतियोगिता का नाम आप बता सकते हैं क्या?

अध्यापक फ्लेश कार्ड में लिखे शब्द से बच्चों को परिचित कराते हैं।

पैरालंपिक प्रतियोगिता

'एक दौड़ ऐसी भी' का सारांश पढ़ने को दें :

एक बार ओलिंपिक खेलों के बीच एक विशेष दौड़ हो रही थी। बीच में एक गज़ब की घटना हुई। नौ प्रतिभागी लड़के-लड़कियाँ दौड़ने को तैयार थे। उनमें शारीरिक विकलांगता थी। दौड़ शुरू हुई। उनमें से एक छोटा लड़का गिर पड़ा। अन्य प्रतिभागी दौड़ छोड़ उसके पास आए। उसे उठाया। दौड़ दुबारा शूरू हुई। सब बच्चे हाथ पकड़कर दौड़े। वे अंतिम रेखा तक एक साथ पहुँचे। निर्णायकों ने सबको स्वर्ण पदक देकर उनकी विजय का सम्मान दिया। दोस्ती का यह अनोखा दृश्य देखकर दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए थे।

अध्यापक पूछें,
- यह कौन-सी प्रतियोगिता है?
- सभी बच्चे क्या करनेवाले हैं?
- दौड़ के प्रतिभागियों की क्या विशेषताएँ हैं?
- कौन गिर पड़ा?
- छोटा लड़का नीचे गिरा तो उसके साथियों ने क्या किया ?
- निर्णायकों ने क्या किया?
- दर्शकों की प्रतिक्रिया क्या थी?

(छात्रों की प्रतिक्रिया)

अध्यापक कहें - हाँ, सभी ने मिलकर दौड़ लगाई और सब जीत गए। सबके सब एक साथ विजयी हुए। सभी लोगों ने उनको बधाइयाँ दीं।

- विजयी होने पर उस छोटे लड़के ने क्या-क्या सोचा होगा?
- बाकी भागीदारों के बारे में उसने क्या सोचा होगा?
- पहले गले लगानेवाली बच्ची का मनोभाव क्या होगा?
- सब एक-दूसरे के हाथ पकड़कर दौड़ने का कारण क्या होगा?
- दर्शकों का मनोभाव क्या होगा?

(छात्रों की प्रतिक्रिया)

अध्यापक कहें - हाँ, उसे बहुत खुशी हुई होगी। अपने दोस्तों की सहायता के कारण ही वह विजयी हुआ। तो लड़के के इन विचारों को डायरी के रूप में लिखें।

अध्यापक पूछें - ▸ डायरी लेखन में और किन-किन बातों पर ध्यान देना है।

(छात्रों की प्रतिक्रिया)

अध्यापक बताते हैं कि डायरी में अपने स्वनुभवों का चित्रण होता है।

- डायरी में तारीख का उल्लेख कैसे देंगे ?
- लड़के ने जो सोचा उसका उल्लेख कैसे करेंगे?
- अपने विचार और मनोभाव कैसे प्रकट करेंगे?

वैयक्तिक लेखन

दल में परिमार्जन

दलों की प्रस्तुति

अध्यापक कहें - नीचे दिए गए कथनों को सही क्रम से लिखकर डायरी की पूर्ति करें।

- दौड़ने केलिए सब तैयार थे।
- तभी मैंने देखा कि बाकी सभी रुक गए हैं।
- आज का दिन मैं कभी नहीं भूलूँगा।
- 23, दिसंबर 2012
- रविवार
- दौड़ शुरू हुई, मैं जीतने के लिए तेजी से भागा।
- प्यार और सहायता का यह भाव मेरे मन से कभी नहीं जाएगा।
- गिरने से मुझे चोट लगी।
- हम सब एक साथ भागे और विजयी हुए ।
- एक -एक करके वे मेरी मदद करने लगे।
- मुझे बहुत खुशी हुई।
- मुझे उठाया और गले लगाया।
- मैं गिर पड़ा।

23 दिसंबर 2012

रविवार

आज का दिन मैं कभी नहीं भूलूँगा।.....

.....

.....

.....

.....

.....

ध्यान दें :

डायरी में मुख्य घटनाओं का उल्लेख हो।

घटनाओं पर लिखनेवाले के भावनाएँ एवं विचार भी व्यक्त हों।

मैं, मेरा, मुझे जैसे शब्दों का प्रयोग हो।

दिलचस्प शब्द या प्रयोग भी हों।

तारीख भी लिखें।

राजा का दरवाज़ा

अधिगम उपलब्धि : चरित्रगत विशेषताओं पर टिप्पणी लिखता है।

सामग्री

पी.पी.टी. स्लाइड़, चित्र

प्रक्रियाएँ

अध्यापक कहानी का सारांश प्रस्तुत करें :

एक था राजा। उसने अपने शक्ल देखने पर खुलनेवाला दरवाज़ा बनाने को मंत्री से कहा। मंत्री ने बढ़ई से दरवाज़ा बनवाया। फिर राजा ने सबको बुलाकर कहा कि कोई है जो इसे खोल सकता है? एक आदमी राजा की तस्वीर लेकर आया और उसने दरवाज़े को खोल दिया।

तब राजा ने मंत्री से कहकर अपनी आवाज़ से खुलनेवाला दरवाज़ा बनवाया। तब उस आदमी ने राजा को ठंडा पानी पिला दिया। राजा का गला खराब हो गया। दरवाजा नहीं खुला।

उसके बाद राजा ने अपने जूतों की आहट से खुलने वाला दरवाज़ा बनवाया। तब उस आदमी ने ज़मीन पर कालीन बिछा दिया। इससे आहट नहीं हुई और दरावाज़ा नहीं खुला। अंत में राजा ने अपनी गंध से खुलनेवाला दरवाज़ा बनवाया। लेकिन आदमी ने राजा के पहने हुए कपड़े के सहारे दरवाज़ा खोल दिया।

अध्यापक कहानी से संबंधित प्रश्न पूछें :

- राजा ने दरवाज़ा बनाने को किससे कहा?
- पहला दरवाज़ा किस तरह का था?
- शक्ल से खुलनेवाला दरवाज़ा बनवाकर राजा ने क्या कहा?
- आदमी ने शक्ल से खुलनेवाला दरवाज़ा कैसे खोला?
- राजा ने अपनी आवाज़ से खुलनेवाला दरवाज़ा बनवाया तो आदमी ने क्या किया?
- आदमी ने ज़मीन पर कालीन क्यों बिछा दिया?
- कालीन बिछा दिया तो क्या हुआ?
- अंत में राजा ने कैसा दरवाज़ा बनवाया?
- गंध से खुलने वाले दरवाज़े को आदमी ने कैसे खोला?

छात्रों को उचित प्रतिक्रिया करने का अवसर दें।

अध्यापक वर्कशीट की पूर्ति करने का निर्देश दें।

आशय समझें और सही या गलत के चिह्न लगाएँ :

शक्ल से खुलनेवाला दरवाज़ा तस्वीर से आदमी ने खोला।	☐
राजा की आवाज़ से दरवाज़ा खुला।	☐
ज़मीन पर कालीन बिछा दिया इसलिए आहट नहीं हुई।	☐
राजा के कपड़ों की गंध से दरवाज़ा खुला।	☐
जूतों की आहट से खुलनेवाला दरावाज़ा बनवाया।	☐
राजा ने ऐसा दरवाज़ा बनवाना चाहा जो सभी खोल सके।	☐

अध्यापक कहें, आपने राजा के बारे में जान लिया है न?

अब आप उनके चरित्र की विशेषताएँ बताएँ।

अध्यापक गोल दायरे से राजा के चरित्र की कुछ विशेषताएँ चुन लेने का अवसर दें :

- राजा स्वार्थी हैं।
- राजा समझदार हैं।
- राजा क्रोधी हैं।
- राजा घमंडी हैं।
- राजा अपने विचारों को सही माननेवाले हैं।
- राजा विवेकशील हैं।
- राजा विनयशील हैं।

इनमें से राजा के चरित्र से संबधित सही वाक्य चुनकर छात्र लिखें। जो वाक्य गलत है उन्हें भी सही करके लिखने का निर्देश दें।

जैसे, राजा समझदार हैं। यह गलत वाक्य है। राजा समझदार नहीं हैं।

अध्यापक टिप्पणी की विशेषताओं पर चर्चा चलाएँ :

यदि राजा के चरित्र पर टिप्पणी लिखनी है तो उसमें क्या-क्या बातें होनी चाहिए?

(छात्रों को प्रतिक्रिया करने का पर्याप्त अवसर दें)

- मेरी टिप्पणी में राजा की विशेषताएँ होनी चाहिए - हाँ/नहीं
- मेरी टिप्पणी में अपना मत व्यक्त करना है। - हाँ/नहीं
- मेरी टिप्पणी में उचित शीर्षक होना है। - हाँ/नहीं

छात्र वैयक्तिक रूप से अपने आप राजा के चरित्र पर एक टिप्पणी लिखें-

(गोल दायरे में दिए वाक्यों की भी सहायता लें।)

राजा की विशेषताओं को सूचित करनेवाला उचित शीर्षक चुनें।

- स्वार्थी राजा
- दयालु राजा
- घमंडी राजा

(छात्र इनमें से उचित शीर्षक चुन सकते हैं।)

अध्यापक अन्य उचित शीर्षक स्वयं लिखने का अवसर छात्रों को दें।

(दलों में परिमार्जन करने का भी अवसर दें।)

तब याद तुम्हारी आती है...

अधिगम उपलब्धि : कविता पढ़कर आशय लिखता है।

सामग्री

पी.पी.टी. स्लाइड़, चित्र

प्रक्रियाएँ

अध्यापक पूछें - ▸ छात्रो, आपको सुबह कैसे लगती है?

▸ सुबह-सुबह आप बाहर क्या-क्या देखते हैं?

▸ रात होने पर बाहर क्या-क्या परिवर्तन आ जाते हैं?

▸ बच्चो, आपको बारिश पसंद है न?

▸ बारिश के समय आपको क्या-क्या अच्छा लगता है?

अध्यापक छात्रों को निर्देश दें कि निम्नलिखित कथनों को उनकी विशेषताओं के आधार पर चुनें और सही शीर्षक के नीचे लिखें।

▸ आसमान में तारे चमकते हैं।	▸ बिजली चमकती है।
▸ कलियाँ खिलती हैं।	▸ बूँदें गिरने लगती हैं।
▸ चाँदनी फैलती है।	▸ ठंडी-ठंडी हवा बहती है।
▸ इससे हरियाली फैल जाती है।	▸ चिड़ियाँ खुशी के गीत गाती हैं।

सुबह
.....
.....
.....

रात
.....
.....
.....

बारिश
.....
.....
.....
.....

अध्यापक यह वर्कशीट प्रस्तुत करें।

प्रश्नों के उत्तर चुनकर लिखें :

चिड़ियाँ उठकर कब गीत गाती हैं? ☐

सुबह चिड़ियाँ कौन-से गीत गाती हैं? ☐

कलियाँ कैसे दुनिया पर मुसकाती है? ☐

प्रकृति को देखकर कवि को किसकी याद आती है? ☐

खुशी के
खुशबू की लहरें
सिरजनहार प्रभु की
सुबह
धीरे-धीरे खिलकर

अध्यापक यह वर्कशीट दें कविता की पहली आठ पंक्तियों के अनुसार क्रमानुसार लिखने को कहें :

- प्रभात के समय चिड़ियाँ उठकर खुशी से चहचहाने लगती हैं।
- कलियाँ धीरे-धीरे खिलकर मुसकराने लगती हैं।
- फूल खिलने पर चारों ओर सुगंध फैल जाती है।
- प्रभात की प्रकृति की सुंदरता देखकर कवि को सिरजनहार प्रभु की याद आती है।

वर्कशीट की पूर्ति करने के बाद कवितांश का आशय लिखने के संबंध में चर्चा चलाएँ ।

- पंक्तियों का आशय लिखते समय किन-किन बातों पर ध्यान देना है?
- क्या कविता के नाम का उल्लेख करना है?
- कवि का नाम जोड़ने की ज़रूरत है?

चर्चा के बाद पहली आठ पंक्तियों का आशय लिखने को कहें।

वैयक्तिक रूप से लिखें।

दल में परिमार्जन करें।

अध्यापक आवश्यक मदद करें।

आसमान के लिए...

अधिगम उपलब्धि : प्रोफाइल तैयार करता है।

सामग्री - पी.पी.टी. स्लाइड़, चित्र

प्रक्रियाएँ

अध्यापक पूछें - ▸ क्या आपने अंतरिक्ष के बारे में सुना है?

▸ अंतरिक्ष यात्रा करने वाले भारतीयों के नाम बताइए।

अध्यापक कल्पना चावला से संबंधित लेख स्लाइड के माध्यम से दिखाएँ।

कल्पना चावला का जन्म हरियाणा के करनाल जिले में हुआ। उनके पिता का नाम बनारसी लाल चावला था। वे अपनी पुत्री को अध्यापिका या डॉक्टर बनाना चाहते थे। पर कल्पना को अंतरिक्ष के क्षेत्र में काम करने की इच्छा थी। इसलिए कल्पना ने पंजाब इंजीनियरिंग कॉलिज में प्रवेश लिया। उनका प्रिय विषय अंतरिक्ष विज्ञान था। बाद में उन्होंने टेक्सास विश्वविद्यालय से इंजीनियरिंग में स्नातकोत्तर तथा कोलोरेडो विश्वविद्यालय से पी.एच.डी. की उपाधि प्राप्त की। 1988 में अमेरिका के अनुसंधान केंद्र नासा में वैज्ञानिक के रूप में वे कार्य करने लगीं। उन्हें दो बार अतरिक्ष यात्राएँ करने का अवसर भी मिला।

अध्यापक छात्रों से प्रश्न पूछें :

- ▸ कल्पना चावला का जन्म कहाँ हुआ था?
- ▸ उनके पिता का नाम क्या था?
- ▸ उनका प्रिय विषय क्या था?
- ▸ स्नातकोत्तर उपाधि कहाँ से प्राप्त की?
- ▸ कोलोरेड़ो विश्वविद्यालय से उन्होंने कौन-सी उपाधि प्राप्त की?
- ▸ वैज्ञानिक के रूप में उन्होंने कहाँ काम किया?

अध्यापक निर्देश दें कि तालिका से उचित वाक्यांशों को चुनकर प्रोफाइल की पूर्ति करें-

बनारसी लाल चावला, कल्पना चावला, अंतरिक्ष विज्ञान में स्नातक, स्नातकोत्तर तथा पी.एच.डी. की उपाधियाँ, नासा में वैज्ञानिक, हरियाणा का करनाल, दो बार की अतरिक्ष यात्राएँ।

प्रोफ़ाइल

नाम	-	.....
जन्म स्थान	-	.....
पिता	-	.....
योग्यताएँ	-	.....
उपलब्धियाँ	-	.....

आत्मकथा

अधिगम उपलब्धि : जीवनी पढ़कर आत्मकथा तैयार करता है।

सामग्री - पी.पी.टी. स्लाइड़, चित्र

प्रक्रियाएँ

अध्यापक स्लाइड के ज़रिए कल्पना चावला की जीवनी से संबंधित कुछ वाक्य दिखाते हैं-

कल्पना चावला का जन्म हरियाणा के करनाल जिले में हुआ। उनके पिता का नाम बनारसी लाल चावला था।

अध्यापक छात्रों से कहता है कि ऊपर दिये गए वाक्यों में रेखांकित शब्दों के स्थान पर मेरा/मेरे शब्द का प्रयोग करके पुनः लिखें।

1. कल्पना चावला का जन्म हरियाणा के करनाल जिले में हुआ।
   मेरा जन्म हरियाणा के करनाल जिले में हुआ।
2. उनके पिता का नाम बनारसी लाल चावला था।
   मेरे पिता का नाम बनारसी लाल चावला था।

अध्यापक छात्रों को इन दोनों वाक्यों में जो अंतर हैं उनके बारे में चर्चा करने का अवसर दें।

अध्यापक कहें कि प्रथम दो वाक्य जीवनी की शैली में लिखे हैं। उनके स्थान पर मेरा/मेरे का प्रयोग करने से वे आत्मकथा शैली में बदल गए।

लिखें, ये वाक्य किस शैली में है? **जीवनी शैली में या आत्मकथा शैली** में।

1. उनका प्रिय विषय अंतरिक्ष विज्ञान था।
   (.....)
2. मेरे मन में अंतरिक्ष जगत के रहस्यों को खोलने का सपना है।
   (.....)
3. मेरा प्रिय विषय अंतरिक्ष विज्ञान था।
   (.....)
4. कल्पना के मन में अंतरिक्ष जगत के रहस्यों को खोलने का सपना है।
   (.....)

छात्र नीचे दिए गए अंश के रेखांकित शब्दों के बदले गोले के उचित शब्द चुनकर रखें और खंड का पुनर्लेखन करें।

मैंने, मेरा, मेरे

कल्पना चावला का जन्म हरियाणा के करनाल जिले में हुआ। उनके पिता बनारसी लाल चावला की इच्छा थी कि पुत्री अध्यापिका या डॉक्टर बने। परंतु कल्पना के मन में अंतरिक्ष जगत के रहस्यों को खोलने का सपना था। इसलिए उन्होंने पंजाब इंजीनियरिंग कॉलिज में प्रवेश लिया था। उनका प्रिय विषय अंतरिक्ष विज्ञान था।